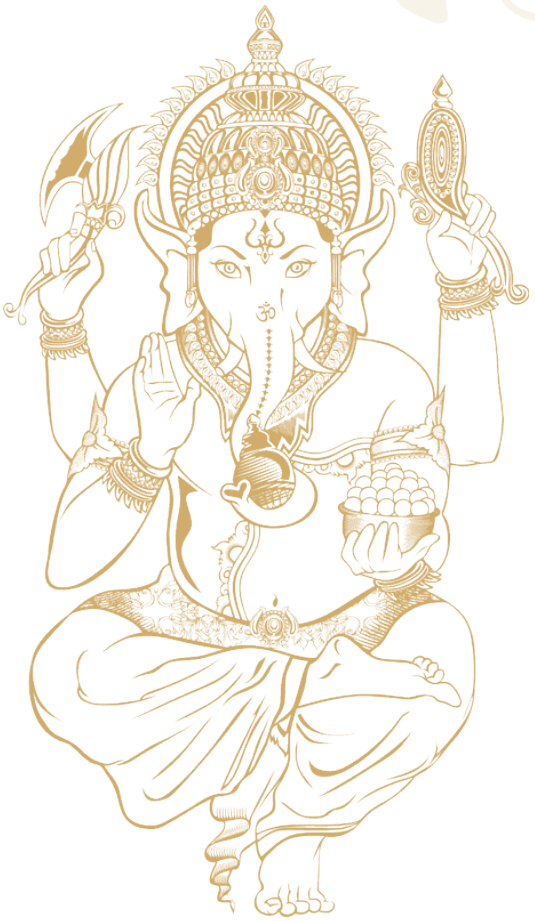

Rohit Sain

Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121679404

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
13-14/05/1997 :	जन्म तिथि	: 9-10/11/1999
मंगल-बुधवार :	दिन	: मंगल-बुधवार
घंटे 01:10:00 :	जन्म समय	: 05:37:00 घंटे
घटी 48:44:07 :	जन्म समय(घटी)	: 57:14:05 घटी
India :	देश	: India
Sri Madhopur :	स्थान	: Jaipur
27:26:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:53:00 उत्तर
75:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:40:21 :	सूर्योदय	: 06:41:44
19:07:39 :	सूर्यास्त	: 17:39:05
23:49:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:03

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 9वर्ष 9मा 19दि		28:35:46	मक	लग्न	तुला	08:19:15	शनि 4वर्ष 5मा 16दि	
शुक्र		29:15:08	मेष	सूर्य	तुला	23:17:25	केतु	
03/03/2014		22:18:39	कर्क	चंद्र	वृश्चि	13:32:05	27/04/2021	
03/03/2034		24:24:49	सिंह	मंगल	धनु	23:47:48	27/04/2028	
शुक्र	03/07/2017	06:38:37	मेष	बुध व	वृश्चि	06:01:31	केतु	23/09/2021
सूर्य	03/07/2018	26:57:59	मक	गुरु व	मेष	03:49:57	शुक्र	23/11/2022
चन्द्र	03/03/2020	09:59:21	वृष	शुक्र	कन्या	07:06:48	सूर्य	31/03/2023
मंगल	03/05/2021	21:40:57	मीन	शनि व	मेष	19:34:20	चन्द्र	30/10/2023
राहु	02/05/2024	03:14:30	कन्या व	राहु व	कर्क	13:17:56	मंगल	27/03/2024
गुरु	01/01/2027	03:14:30	मीन व	केतु व	मक	13:17:56	राहु	15/04/2025
शनि	03/03/2030	14:51:14	मक व	हर्ष	मक	19:08:45	गुरु	22/03/2026
बुध	01/01/2033	06:06:01	मक व	नेप	मक	07:56:22	शनि	01/05/2027
केतु	03/03/2034	10:43:36	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:36:47	बुध	27/04/2028

लग्न-चलित

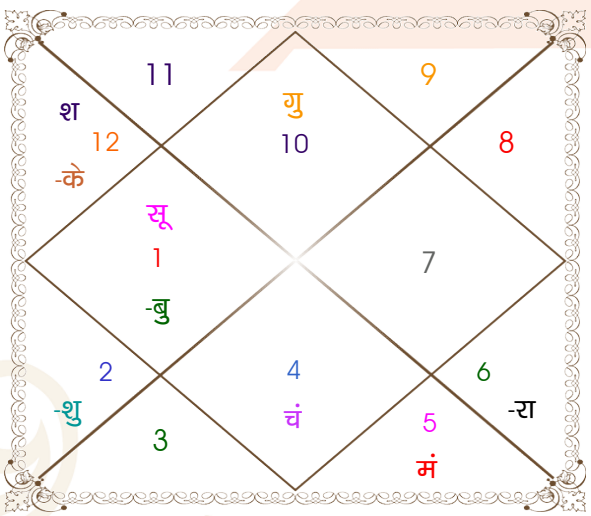

लग्न-चलित

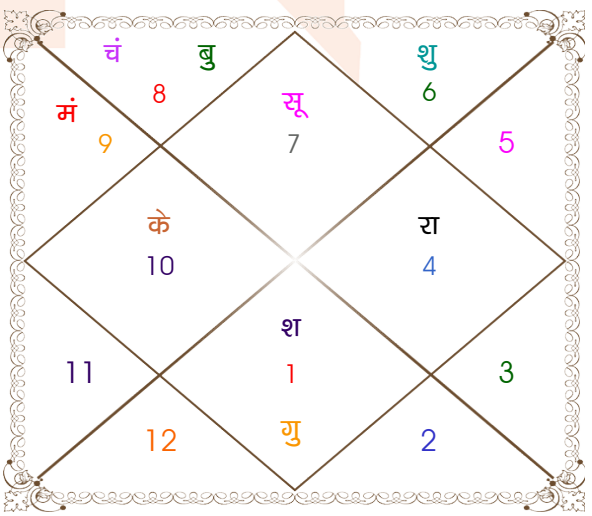

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

त्वीपजौंपद का वर्ग श्वान है तथा Shivani का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्वीपजौंपद और Shivani का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

त्वीपजौंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Shivani मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shivani कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्वीपजौंपद तथा Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।